शिवबाबा याद है? 22-6-19 ओम् शान्ति मधुबन

"रक्षाबन्धन के पावन पर्व की हार्दिक बधाईयां - मधुर याद पत्र"

परम पवित्र परमप्यारे अव्यक्त मूर्त मात-पिता बापदादा के अति स्नेही, सदा स्वमानधारी, स्वराज्य अधिकारी, उमंग-उत्साह के पंखों से उड़ने वाले, अपनी शक्तिशाली मन्सा के वायब्रेशन द्वारा वायुमण्डल को शान्त व श्रेष्ठ बनाने वाले बेहद सेवाधारी निमित्त टीचर्स बहिनें तथा देश विदेश के सभी ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न याद के साथ, रक्षाबन्धन और जन्माष्टमी के पावन पर्व की आप सबको बहुत-बहुत दिल से हार्दिक बधाईयां।

प्यारे बापदादा की सर्व प्रेरणाओं को साकार रूप देने निमित्त आप सब विशेष तपस्या और सेवा के साथ मन-वचन-कर्म की श्रेष्ठता द्वारा विश्व के कोने-कोने में बापदादा का नाम रोशन कर रहे हो। यह राखी बंधन का पावन पर्व तो अनेकानेक आत्माओं को विशेष सन्देश देने तथा उन्हें सम्बन्ध-सम्पर्क में समीप लाने का विशेष पर्व है। साथ-साथ बाबा के बच्चे भी स्वयं को स्नेह के सूत्र में बांध कोई न कोई स्व-परिवर्तन निमित्त विशेष संकल्प लेते ही हैं। बाबा कहते बच्चे आपके परिवर्तन से ही प्रत्यक्षता होगी, जैसे हमारे सामने बाबा प्रत्यक्ष हुआ, हम सबने इन आंखों से उसे प्रत्यक्ष रूप में देखा, जाना। अब विश्व परिवर्तन का आधार हमारे ऊपर है, जब हम सम्पन्न सम्पूर्ण बनें तब सृष्टि का परिवर्तन हो इसलिए बाबा कहते बच्चे अब गफलत में समय नहीं गंवाना है। संगम का यह समय बहुत-बहुत वैल्युबुल है, इसमें अपने एक एक श्वांस और संकल्प को सफल करना है। न कहीं मूंझना है, न उलझना है। ड्रामानुसार सब अच्छा होना ही है, बाबा हमारे साथ है, इसलिए डोंट थिंक। बोलो, बाबा के ऐसे मीठे बोल कानों में गूंजते हैं ना। अब तो बाबा हम सबकी स्थिति इच्छा मात्रम् अविद्या वाली देखना चाहते हैं।

तो आओ हम सब इस रक्षाबंधन पर ऐसा श्रेष्ठ शुद्ध संकल्प करें कि 1- मुझे अपने श्रेष्ठ स्वमान में रहना है और सबको सम्मान देना है। 2- सर्व ईश्वरीय गुणों में सम्पन्न बनना है। जरा भी और कोई चिंतन नहीं, चिंता नहीं। 3- कभी अंशमात्र भी अभिमान वा अपमान की फीलिंग न आये। 4- अब ऐसी देही-अभिमानी, अशरीरी स्थिति बनानी है, जो मन-वचन-कर्म से आत्मा सम्पूर्ण पावन बन जाए। 5- अब कोई भी घड़ी निष्फल न जाए, हर घड़ी सफल हो, गफलत और अलबेलेपन का अंश भी न रहे।

तो बोलो, हमारे मीठे भाई बहिनें ऐसे दृढ़ संकल्प की सच्ची-सच्ची राखी बांधेंगे ना! अन्दर में कोई भी कमी कमजोरी हो तो उसे महसूस कर साइलेन्स की शक्ति और परमात्म मदद से समाप्त कर देना है।

बाकी आज आपके पास मधुबन बेहद घर से बहुत सुन्दर स्नेह की राखी आ रही है। निमित्त मीठी बहिनें अपने-अपने क्लासेज़ में यह राखी सबको दिखलाना तथा बापदादा से किये वायदों की स्मृति दिलाते हुए मुख मीठा कराना जी। हर एक ऐसा ही समझे कि बापदादा के स्नेह की यह पावन राखी हमारे लिए पर्सनल आई है। इसी शुभ भावना से हर एक राखी बंधवाये तथा दृढ़ता भरा शुभ संकल्प भी अवश्य करे। देखो, शान्तिवन में अभी ग्रुपवाइज़ स्व-निरीक्षण योग तपस्या की भट्ठियां शुरू हो रही हैं। चारों तरफ से अनेकानेक भाई बहिनें तथा टीचर्स बहिनें अपने-अपने ग्रुप में आकर स्वयं को भरपूर करेंगे।

अच्छा - सभी को बहुत-बहुत याद..

ईश्वरीय सेवा में,

B. K. Janki

बी.के. जानकी